www.pib.nic.in

प्रेस सूचना ब्यूरो
भारत सरकार
*****

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा
प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूरा देश कोरोना के खिलाफलड़ाई में एक साथ खड़ा है

दिल्ली में ऐसी कुछ घटनाएं हुई जिससे जनता में भय और अनिश्चयता की स्थिति उत्पन्न हुई, हमारे प्रयासों से दिल्ली की स्थिति में जल्द ही सुधार आएगा और 31 जुलाई तक 5.5लाख केस नहीं होंगे

दिल्ली में कम्युनिटी ट्रांसमिशन की स्थिति नहीं आई है, जून माह की शुरूआत के दिनों की तुलना में आज दिल्ली की स्थिति बहुत बेहतर है, जनता को घबराने की कोई जरूरत नहीं है

गृह मंत्रालय ने नीति आयोग के सदस्य डॉ वी के पॉल के नेतृत्व वाली समीति के सुझाव पर निजी अस्पतालों में इलाज के खर्च को लगभग दो तिहाई कम किया है

टेस्टिंग को हमने 4 गुना बढाया और 14 जून की 9500 बेड संख्या बढ़कर 30 जून तक लगभग 30,000 हो जाएगी

हमने दिल्ली को अभी तक 10,000 पल्स ऑक्सीमीटर, 440 वेंटीलेटर, 500 ऑक्सीजन सिलिंडर दिए और दिल्ली में ऐम्ब्युलन्स बढ़ाने के लिए निर्देश दिए

दिल्ली-एनसीआर में कोरोना से लड़ने के लिए जल्द ही एक साझा रणनीति बनेगी

नई दिल्ली, 28 जून 2020

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि कोरोना के ख़िलाफ़ मोदी सरकार बहुत अच्छे ढंग से लड रही है और राजधानी दिल्ली में स्थिति नियंत्रण मे है। एक समाचार एजेंसी के साथ साक्षात्कार में श्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली में अभी सामुदायिक संक्रमण की कोई स्थिति नहीं है और घबराने की कोई बात नहीं है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जून के दूसरे सप्ताह में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने एक बयान दिया था कि दिल्ली में स्थिति खराब है और जुलाई के अंत तक राजधानी दिल्ली मे कोविड संक्रमित व्यक्तियों की संख्या 5.5 लाख हो जायेगी। इससे दिल्ली के लोगों मे भय पैदा हो गया। श्री अमित शाह ने कहा कि आमतौर पर कोविड से यह दिल्ली सरकार की ज़िम्मेदारी है कि वह कोविड से निपटने के लिए ज़रूरी कदम उठाए लेकिन उपमुख्यमंत्री के बयान के बाद भारत सरकार ने समन्वय के लिए काम शुरू किया।

श्री अमित शाह ने कहा कि मामले की गम्भीरता को देखते हुए उन्होंने 14 जून को एक समन्वय बैठक की, ताकि केंद्र सरकार दिल्ली सरकार की मदद कर सके। आज टेस्टिंग ज्यादा होने के कारण संक्रमित की संख्या में इजाफा हो रहा है लेकिन इसके फायदे यह है कि जिन लोगों का टेस्ट हो गया है और जिनकी शिनाख्त कोरोना पॉजिटिव मरीज के रूप में हो गई है उन्हें आइसोलेसन में रखा जायेगा । इससे दूसरे लोगों में कोरोना संक्रमण प्रसारित होने में कमी आएगी।

निर्णय	तब	**अब**
टेस्टिंग में वृद्धि अब तक कुल 4.15 लाख टेस्ट	25 मार्च से 14 जून तक = 82 दिनों में 2.41 लाख टेस्ट	15 से 25 जून = 11 दिनों में 1,75,141 टेस्टस • प्रति दिन : 16 हजार
टेस्टिंग रेट	लगभग 5 हजार रुपये	• 2400 रुपये प्रति टेस्ट • 200 रैपिड एंटीजन टेस्ट केंद्र

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि एलएनजेपी (LNJP) अस्पताल जाकर स्वास्थ्यकर्मियों का हौसला बढ़ाया गया और इससे जनता में भी विश्वास जगा। वहां की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने में मदद मिली जिसमें हर वार्ड में सीसीटीवी लगाना, मरीज के परिजनों के लिए कैंटीन की सुविधा प्रदान करना जैसे महत्वपूर्ण निर्णय शामिल रहे। डॉक्टरों के साथ बात करने से जमीनी दिक्कतों को जाना गया और भविष्य की योजना बनाने में इन सभी इनपुट का प्रयोग किया गया।

	निर्देश
1	कोरोना अस्पताल के कोरोना वार्ड में CCTV
2	बेड्स की रियल टाइम जानकारी
3	दिन-रात मानवता की सेवा में जुटे डॉक्टर और नर्सों की साइको-सोशल (Psycho-Social) काउंसलिंग का आदेश
4	मरीजों को खाना उपलब्ध कराने वाली कैंटीन की एक वैकल्पिक व्यवस्था

श्री अमित शाह ने कहा कि जहां 14 जून को दिल्ली में 9937 बेड्स उपलब्ध थे वहीं आज 30,000 बेड्स की व्यवस्था हो चुकी है। उन्होने कहा कि जून माह के शुरूआत दिनों की

तुलना में आज हम बहुत बेहतर स्थिति में हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली के कंटेंटमेंट जोन में घर-घर स्वास्थ्य सर्वे 30 जून तक पूरा हो जाएगा। सेरोलॉजिकल टेस्टिंग शुरू हो गई है और हर घर जाकर सर्वे करने की भी मुहिम चलाई गई है। श्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली सरकार और एमसीडी के सहयोग से कोरोना होने से पहले ही उसको रोकने के प्रयास पर भी जोर दिया जा रहा है। अभी दिल्ली में सामुदायिक संक्रमण की स्थिति नहीं आई है। उन्होंने कही कि अब टेस्ट की संख्या बढ़ रही है लेकिन घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

बेड्स उपलब्धता

तब	अब
14 जून को 9,937 बेड्स उपलब्ध थे	• 30 जून तक लगभग 30 हजार बेड्स होंगे • 503 रेल कोचेस से 8000 बेड्स • DRDO द्वारा 1000 बेड्स का अस्पताल 250 ICU ventilators के साथ जिसे सेना और CAPF मेडिकल कर्मी संभालेंगे (2 जुलाई से कार्यरत) • राधास्वामी सत्संग ब्यास: 10 हजार ITBP द्वारा संचलित

दिल्ली सरकार ने राजधानी से बाहर के कोविड मरीजों का दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में इलाज नहीं करने की घोषणा भी की थी। दिल्ली देश की राजधानी है और यहाँ विभिन्न राज्यों के लोग आते हैं। बाहरी लोगों का उपचार न होने से विवाद उत्पन्न न हो इसलिए केंद्र सरकार द्वारा इस निर्णय को बदला गया ।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमारे द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक शवों का अंतिम संस्कार करना था। दिल्ली सरकार के साथ हुई बैठकों में लिए गए फैसलों के बाद अस्पतालों में रखे मृतकों के सभी शवों का उनके धर्म के अनुसार दो दिन के भीतर अंतिम संस्कार कर दिया गया और आज कोई पेंडेंसी नहीं है। श्री अमित शाह ने कहा कि कोविड-19 रोगियों के लिए निजी अस्पतालों में उपचार की ऊंची दर दिल्ली के लोगों को काफ़ी परेशान कर रही थीं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उन्होंने बेड्स और इलाज की दरें कम करने का फैसला लिया। इससे लोगों को बहुत राहत मिली है। साथ ही कोविड-19 महामारी से लड़ने के प्रयासों में एनसीसी, एनएसएस, स्काउट्स और ग़ैर सरकारी संगठनों को भी शामिल करने का फैसला किया।

दिल्ली के निजी अस्पतालों में 60% बेड कम करना (रेट लगभग दो-तिहाई कम किये)

बेड्स केटेगरी	**(बिना दवाईयों व PPE किट के)**	**(दवाईयों व PPE किट सहित)**
आइसोलेशन बेड्स	Rs.24000-25000	Rs. 8000-10000
बिना ICU वेंटिलेटर	Rs.34000-43000	Rs.13000-15000
ICU वेंटिलेटर के साथ	Rs.44000-54000	Rs.15000-18000

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत सरकार कोविड महामारी से मुकाबला करने में सफल रही है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हमारे आंकड़े बहुत अच्छे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार, राज्य सरकारों और भारत के लोगों की इस महामारी से लड़ने में महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरा देश कोरोना के खिलाफ लड़ाई में साथ खड़ा है और लोग कोरोना वॉरियर्स की हौसला अफजाई कर रहे हैं। श्री अमित शाह ने कहा कि भारत में कोरोना संक्रमण दर प्रति मिलियन 357 है जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह आँकड़ा प्रति मिलियन 1250 का है। उन्होंने कहा कि आज कोरोना से रिकवरी रेट 57 प्रतिशत है जबकि मार्च मे यह 7.1 प्रतिशत था। श्री शाह ने कहा इसलिए उन्हे लगता है कि भारत ने विकसित देशों की तुलना में बहुत बेहतर काम किया है।

कोरोना: वैश्विक तुलना (कोविड के कारण प्रति 10 लाख आबादी प्रभावित**)**

भारत : 357 लोग	**वैश्विक औसत : 1250 लोग**
अमेरिका **: 7,569 लोग**	ब्रिटेन **: 4,537 लोग**
ब्राज़ील **: 5,802 लोग**	**रूस : 4,254** लोग

- देश में **रिकवरी दर** जो **25 मार्च को 7.10%** से बढ़कर **अब 57% हो** गई है।

मृत्यु प्रति 10 लाख जनसँख्या

भारत : 11	**वैश्विक औसत : 63.2**
अमेरिका: **383**	ब्रिटेन : **637**
ब्राज़ील : **259**	रुस : **60**

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यदि किसी को हल्का सा भी लक्षण दिखाई दे तो टेस्ट कराइए और ज्यादा गंभीर होने पर ऐसे लोग अपने परिवारजनों की सुरक्षा के लिए आइसोलेशन सेंटर में शिफ्ट हो जाएं। इस तरह से कोरोना संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है।

श्री अमित शाह ने कहा कि लॉकडाउन की घोषणा के साथ ही केंद्र और राज्य सरकार के बीच बात-चीत शुरू हो गई थी, सभी राज्यों द्वारा लगभग 2.5 करोड़ प्रवासियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी। उनके पास अस्पताल और संगरोध सुविधाएं तैयार थीं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि लगभग 4594 ट्रेन द्वारा 63 लाख श्रमिक ट्रेनों के माध्यम से गए। लगभग 42 लाख प्रवासियों ने परिवहन के विभिन्न साधनों से यात्रा की और सब मिलाकर लगभग 1.20 करोड़ लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने का काम किया गया । श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में प्रवासियों के रोजगार के लिए एक योजना शुरू की है। भारत सरकार ने प्रवासियों को रोजगार देने के लिए एक विशेष अभियान चलाया है। मनरेगा का वेतन भी बढ़ाया गया है । श्री अमित शाह ने कहा कि महामारी ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जिसमें लघु उद्योगों को मदद की ज़रूरत है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महामारी की शुरुआत के बाद सुधारों की घोषणा की गई है। इन सुधारों का दीर्घकालिक लाभकारी प्रभाव पड़ेगा। कोरोना काल में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने ढेर सारे बदलाव किए हैं। आज पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है और भारत भी उससे प्रभावित है लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में हमारी अर्थव्यवस्था अभी भी बेहतर स्थिति में है।

श्री अमित शाह ने कहा कि "मैं दिल्ली की जनता से अपील करता हूँ कि कोरोना के लक्षण दिखने पर आप तुरंत नजदीकी टेस्टिंग सेंटर जाकर अपना टेस्ट करवाएं और टेस्ट पॉजिटिव आने पर इंस्टिट्यूशनल क्वेरंटाइन (Institutional quarantine) से घबराएँ नहीं, क्योंकि यह आपकी व आपके परिवार की सुरक्षा के लिए आवश्यक है जिससे उनमे संक्रमण को रोका जा सकता है।"

***

एनडब्लू/आरके/पीके/एडी/डीडी